

करने वाला 3. शिव 4. एक अर्हत् या बुद्ध का नाम।

सर्वकामद वि. (तत्.) 1. सभी प्रकार की कामनाएँ पूरी करने वाला 2. शिव।

सर्वकामेश्वर पुं. (तत्.) 1. सभी प्रकार की कामनाएँ पूरी करने वाला, ईश्वर-परमात्मा 2. भगवान शिव।

सर्वकार्यक्षम वि. (तत्.) सभी कार्य करने की क्षमता, शक्ति वाला, सर्वशक्तिमान, परमात्मा।

सर्वकालीन वि. (तत्.) जो हर काल में विद्यमान हो, सभी काल का।

सर्वकाव्य वि. (तत्.) सर्वप्रिय, सभी का प्यारा।

सर्वकृत वि. (तत्.) सब का उत्पादक, सब की रचना करने वाला, ईश्वर।

सर्वकेसर पुं. (तत्.) बकुल का वृक्ष या पुष्प, मौलसिरी।

सर्वक्षमा स्त्री. (तत्.) सरकार द्वारा सभी बंदियों विशेषकर राजनैतिक बंदियों को सामूहिक रूप से किया जाने वाला क्षमादान।

सर्वक्षार पुं. (तत्.) 1. सब कुछ क्षरण या नाश करना, तहस-नहस करना 2. युद्धमें हारती हुई सेना का पीछे करते समय फसलों, पुलों, संरचनाओं को इसलिए नष्ट करना कि शत्रु उनका उपयोग या लाभ न कर सके।

सर्वक्षार नीति स्त्री. (तत्.) सर्व स्वाहा नीति सब कुछ नष्ट करने की नीति, कोई स्थान छोड़ने या पलायन करने से पहले वहां की सारी चीजें, सुविधाएँ नष्ट करने की नीति।

सर्वगंध पुं. (तत्.) दालचीनी 2. इलायची 3. केसर 4. तेजपत्ता 5. शीतलचीनी 6. लौंग 7. अगर, अगरू 8. शिलारस 9. नागकेसर।

सर्वगत वि. (तत्.) 1. सर्व व्यापक, जो सब में व्याप्त हो 2. जो किसी जाति, वर्ग या समष्टि के सभी अंगों, सदस्यों आदि में सामान्य रूप से पाया जाता हो 3. प्राचीन काल में ऐसे राज

कर्मचारी जिन्हें सभी जगह आने-जाने का पूर्ण अधिकार हो 4. सर्वगामी।

सर्वगति वि. (तत्.) 1. सब को गति प्रदान करने वाला 2. जो सबको गति (आश्रय या शरण) देता हो, परमात्मा।

सर्वग्रास पुं. (तत्.) 1. पूर्ण ग्रहण, चन्द्र या सूर्य का ऐसा ग्रहण जिसमें उनका मंडल पूर्णतः छिप जाता है 2. किसी का सारा माल हजम कर जाना।

सर्वग्रासी वि. (तत्.) 1. सब कुछ हरण कर अपने वश में करने वाला 2. किसी का सर्वस्व हरने वाला।

सर्वग्राही वि. (तत्.) सब कुछ ग्रहण करने वाला।

सर्वचक्रा स्त्री. (तत्.) बौद्ध तांत्रिकों की एक देवी।

सर्वचारी वि. (तत्.) 1. सर्वत्र घूमने-फिरने वाला 2. सर्व व्यापक, सब में रहने या संचार करने वाला 3. भगवान शिव।

सर्वजन वि. (तत्.) 1. सभी लोगों से संबंध रखने वाला, सार्वजनिक 2. सभी स्थानों में प्रायः समान रूप से पाया जाने वाला, सार्वदेशिक, सार्वभौमिक।

सर्वजनीन वि. (तत्.) 1. जिसका संबंध जाति, राष्ट्र या समाज से है 2. जिसके उपयोग पर किसी को आपत्ति न हो 3. जो सब के हित में हो।

सर्वजया स्त्री. (तत्.) 1. देवकली, सबजय नाम का पुष्पीय पौधा 2. मार्गशीर्ष मास में होने वाला स्त्रियों का एक प्राचीन पर्व।

सर्वजीवी वि. (तत्.) जिसकी चार पीढ़ियाँ अर्थात् पिता, पितामह और प्रपितामह जीवित हो।

सर्वज्ञ वि. (तत्.) 1. सब कुछ जानने वाला, जिसे सारी बातों या विषयों का ज्ञान हो 2. ईश्वर 3. देवता 4. गौतम बुद्ध 5. अर्हत् 6. शिव।

सर्वज्ञता स्त्री. (तत्.) सर्वज्ञ होने की अवस्था, गुण या भाव।